मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान विभाग मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	
अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - (04)	**वेब व्याख्यान - (02)**

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: (04)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी:

1. **विषय : "मैनेजिंग लाइफ ड्यूरिंग कोविद-19 लाकडाउन"**

उद्धेश्य: कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के दौरान अपने दिनचर्या को व्यवस्थित रखने के लिए आवश्यक जानकारीया एवं सुझावों पर राष्ट्रीय एवं अंतरास्ट्रीय विशेषज्ञों के विचार से छात्र -छात्राओं को अवगत कराना।

दिनाँक : 09 मई 2020 (शनिवार) समय: प्रातः 9:30 -10:30 बजे तक

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान विभाग तथा एमडीएसडी महिला महाविद्यालय, अंबाला द्वारा संयुक्त रूप से आईईईई, इंडिया काउंसिल के सहयोग से आज दिनांक 9 मई 2020 को प्रातः 09:30 बजे से ' मैनेजिंग लाइफ ड्यूरिंग कोविड-19 लॉकडॉउन' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया| संगोष्ठी के वक्ताओं में एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो श्री निवास सिंह, एक्सेंचर टेक्नोलॉजी, अमेरिका की सुश्री संगीता त्रिपाठी, एमडीएसडी महिला महाविद्यालय, अंबाला की प्राचार्य डॉ किरण अंगरा, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सोलन की डॉ उर्मिल रावत, मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर

नारायण सिंह एवं, इसरो के वैज्ञानिक एवं आईईईईई, इंडिया काउंसिल के सचिव डॉ पुनीत मिश्र आदि प्रमुख थे| संगोष्ठी में बोलते हुए कुलपति प्रो सिंह ने कहा कि इस समय विश्व के सामने अभूतपूर्व संकट उपस्थित हुआ है| अब तक हमारे जीवन की रफ़्तार बहुत तेज थी परन्तु कोविड-19 के कारण अचानक ज़िन्दगी की रफ़्तार पर ब्रेक लग गया है| यह समय अच्छा तो नहीं कहा जा सकता पर हमारे लिए यह चुनौती है। और इस चुनौती को हम अवसर के रूप में बदल सकते है यह समय हमारे लिए यह सोचने का है कि हम अपने जीवन में, अपनी व्यवस्था में, अर्थव्यवस्था में ऐसे कौन से बदलाव ला सकते हैं कि भविष्य में इस तरह के संकटों में भी जीवन की गति रुके न| एक्सेंचर टेक्नोलॉजी, अमेरिका की सुश्री संगीता त्रिपाठी ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान छात्रों और कामकाजी लोग अपने काम और निजी जीवन के बारे में कैसे ताल मेल बैठाएं इस विषय पर विचार रखे| सुश्री त्रिपाठी ने कहा कि लॉक डाउन की वजह से बहुत से संस्थान घर से काम करने की व्यवस्था कर रहे हैं, विकसित देशों में बहुत से सेक्टरों में यह संस्कृति पहले से रही है| उन्होंने सलाह दी कि कामकाजी लोग घर से काम करने के लिए अपना अलग समय और अलग स्थान निर्धारित करें और ऐसा करने के लिए आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था करें| इससे सुविधा होगी| लोग अपनी दैनिक जीवनचर्या निर्धारित करें और दैनिक गतिविधियों की सूची बनायें| काम के दौरान छोटे छोटे ब्रेक लें| घरेलू काम मिल बाँट के करें, क्षमता के अनुसार घर के सभी सदस्यों को काम बाँट दें| इन सब के दौरान अपने आप को भी समय दें, व्यायाम करें, नया कौशल सीखें, कोई नयी हॉबी विकसित करें| उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में बहुत से परिवर्तन होंगे और भविष्य की दुनिया आज की दुनिया से काफी अलग होगी| हमें अपने आपको इन परिवर्तनों के लिए सभी स्तरों पर तैयार रहना होगा| विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर नारायण सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस संकट का एक पहलू यह भी है कि लोगों में स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर सजगता बढ़ी है और यह ही इस संकट से लड़ने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है| उन्होंने कहा कि इस संकट के कारण किसी भी व्यवस्था में सस्टेनेबिलिटी का प्रश्न महत्वपूर्ण हो गया है| डॉ किरण अंगरा ने कहा कि लॉक डाउन जैसी स्थिति में भी प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य निर्बाध रूप से चले इसके लिए हमें ई गवर्नेंस और ई लर्निंग को बेहिचक अपनाना होगा| डॉ उर्मिल रावत ने कोविड-19 के कारण उत्पन्न हुए संकट के कारण अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था में क्या परिवर्तन किये जाएँ, इस विषय पर विचार प्रकट किये| डॉ अभिजित मिश्र ने वेब संगोष्ठी का सञ्चालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया| वेब संगोष्ठी के दौरान एमएमएमयूटी सहित उत्तर प्रदेश, एवं हरियाणा के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 250 से अधिक शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे| श्रोताओं ने विशेषज्ञों से प्रश्न भी किये|

<u>अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी</u>

2. **<u>विषय: "एडवांस्ड प्रोफेशनल राइटिंग</u>**

उद्धेश्य: अडवांस्ड प्रोफेशनल राइटिंग के महत्व को जानना एवम प्रोजेक्ट राइटिंग और प्रभावशाली शोध कार्य मे इसके उपयोग को छात्र -छात्राओं के समक्ष रखना।

दिनाँक: 12 मई 2020 (शनिवार) समय: अपराह्न 03: 30 -05:30 बजे तक

मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान विभाग मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी वि वि द्वारा दिनाँक 12 मई 2020 को 03:30 बजे से 'एडवान्स्ड प्रोफेशनल राइटिंग' विषयक वेब गोष्ठी का आयोजन किया गया। वेब गोष्ठी में मुख्य वक्ताओं के रूप में माननीय प्रोफेसर श्रीनिवास सिंह कुलपति, मदन मोहन मालवीय प्रद्यौगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर, डा0 यशवर्धन मालपानी, प्रोजेक्ट लीडर, देउन्ग बायो इनकार्पोरिटेड, दक्षिण कोरिया, प्रोफेसर नागेन्द्र कुमार, प्रोफसर एवं हेड, एच एस एस डी, आई आई टी, रूड़की, प्रोफेसर अर्जुन दुबे, प्रोफेसर एमरीटस, एच एम एस डी, मदन मोहन मालवीय प्रद्यौगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा विभागाध्यक्ष एवं कन्वीनर डा0 सुधीर नारायण सिंह, एच एम एस डी, मदन मोहन मालवीय प्रद्यौगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी की अध्यक्षता वि

वि के कुलपति प्रो श्री निवास सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो सिंह ने कहा कि आज के दौर में कम्यूनिकेशन को प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि चाहे किसी भी क्षेत्र का प्रोफेशनल हो उसका लिखित तथा मौखिक दोनो प्रकार का कम्यूनिकेशन ठीक होना चाहिए। उन्होने गोष्ठी के विषय वस्तु की उपयुक्तता को वर्तमान दौर के लिए काफी प्रासंगिक बताया। अपने संबोधन में डा0 यशवर्धन मालपानी ने रिसर्च प्रोपोजल तथा रिसर्च रिपोर्ट के व्यवहारिक तरीकों पर प्रकाश डाला। डा0 मालपानी ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि रिसर्च प्रोपोजल जितना छोटा और व्यवहारिक होगा उसके स्वीकृत होने के अवसर अधिक होते है। अपने संबोधन में प्रोफेसर नागेन्द्र कुमार ने रिसर्च पेपर लेखन पर प्रकाश डाला। डा0 नागेन्द्र ने रिसर्च पेपर के फोरमेट से लेकर लिखने के सभी तरीकों पर बहुत सहज अंदाज में अपना वक्तव्य दिया। प्रोफेसर अर्जुन दुबे ने अपने संबोधन मे श्रवण, मौखिक, पठन तथा लेखन कौशलो की वर्तमान समय में उपयोगिता पर बहुत प्रभावशाली ठंग से अपनी प्रस्तुती दिया। डा0 दुबे ने श्रवण कौशल की गंम्भीरता पर प्रकाश डालते हुए प्ाधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आज शाम देश को संबोधन को सुनने की उपयोगिता को उदाहरण स्वरूप प्रस्तुत किया। अन्तिम वक्ता के रूप् मे डा0 सुधीर नारायण सिंह ने ई-मेल, ब्लोग तथा सोशल मिडिया पर लेखन पर सोदाहरण बहुत प्रभावशाली ठंग से अपना अभिभाषण दिया। ततपश्चात प्रतिभागियों के प्रश्नों का सभी विशेषज्ञों के द्वारा संतोष जनक उत्तर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डा0 अपर्णा सिंह ने किया।

कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर नारायण सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान एम बी ए , बी बी ए, के छात्र छात्राओं सहित डॉ रवि कुमार गुप्ता, डा0 अभिजीत मिश्र, डॉ भारती शुक्ला, डॉ कहकशां खान, डॉ उग्रसेन, डॉ बिजेंद्र, डॉ विनय यादव, डा0 रितु श्रीवास्तव, डा0 देवेन्द्र कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे।

<u>अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी</u>

3. **<u>विषय: "स्टार्टअप चैलेंजेस इन पोस्ट कोविद-19 वर्ल्ड"</u>**

उद्देश्य;- स्टार्ट- अप की ओर प्रेरित करने के लिए कोविड -19 के दौरान चुनौतियों के बारे में जागरूकता पैदा करना।

दिनाँक 15 मई 2020 (शुक्रवार) अपराह्न 3:30 -4:45 बजे

मानविकी और प्रबंधन विज्ञान विभाग, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 15 मई 2020 को एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार कार्यक्रम शीर्षक स्टार्ट- अप की चुनौतियाँ, पोस्ट कोविड -19 वर्ल्ड का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एसएन सिंह के स्वागत भाषण के साथ शुरू किया । उन्होंने बताया कि कैसे कोविड -19 हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है और हम कैसे सामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप स्वतंत्र होने के स्रोत में से एक है। इस वेबिनार के दौरान, कई वक्ता मौजूद थे। एक वक्ता के रूप में हमारे पास सुश्री प्रीति कौर थीं, जो अगाती स्वास्थ्य देखभाल, नामक कोलकाता स्टार्ट-अप की मालिक हैं। हमारे दूसरे वक्ता श्री चंद्र शेखर पांडे थे, जो सी ई ओ - सीसन इंकम.यू.एस.आधारित स्टार्ट-अप के हैं, जिन्होंने बताया कि COVID-19 का वर्तमान परिदृश्य कैसे चुनौतीपूर्ण हो सकता है और स्टार्ट-अप के माध्यम से हम कैसे स्वतंत्र हो सकते हैं। हमारे अगले वक्ता श्री सौरभ गुप्ता थे, जो वेबटेक ऑपरेशन, हैदराबाद के निदेशक हैं। उन्होंने छात्रों को स्टार्ट-अप के लिए जाने के लिए प्रेरित किया और स्टार्ट-अप को सफलता की कुंजी और स्टार्ट-अप के माध्यम से उपलब्ध अवसरों के

बारे में बताया। वेबिनार के अंत में, मानविकी और प्रबंधन विज्ञान विभाग विभाग के प्रमुख डॉ एसएन सिंह ने विभाग के सभी प्रतिभागियों और प्रमुख वक्ताओं और संकायों, डॉ.रवि कुमार गुप्ता, डॉ अभिजीत मिश्रा, डॉ प्रियंका राय, इंजीनियर बिजनेद्र कुमार पुष्कर, डॉ.राजेश सिंह, डॉ.भारती शुक्ला, डॉ कहकशां खान, डॉ.विनय कुमार यादव, डॉ.उग्रसेन को धन्यवाद दिया।

<u>अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी</u>

4. **विषय: “कैरीयर चैलेंजेस एवम सस्टेनेबल देवेलोपमेंट पोस्ट कोविद -19 एरा”**

उद्देश्य: वैष्विक महामारी कोरोना से उत्पन्न कैरियर की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए एवम सस्टेनेबल देवेलोपमेंट को किस तरह कायम रखा जाए की चर्चा छात्र-छात्राओं के बीच करना।

दिनाँक 19 मई 2020 सायं 3:45 से 5:00 बजे

मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान विभाग, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी वि वि द्वारा ' "कैरियर चैलेंजेस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन पोस्ट कोविड एरा"'विषयक वेब गोष्ठी का आयोजन किया गया। वेब गोष्ठी में मुख्य वक्ताओं के रूप में मैन्यूलाइफ फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन की सुश्री दीपशिखा सिंह; सिडबी प्रयागराज के वरिष्ठ प्रबन्धक श्री मुकेश जायसवाल, एवम् भारत रोज़गार डॉट कॉम के प्रबंध निदेशक श्री अमन शुक्ला ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी की अध्यक्षता वि वि के कुलपति प्रो श्री निवास सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो सिंह ने कहा कि विकास और सस्टेनेबिलिटी के बीच में सामंजस्य आवश्यक है और ऐसा कर पाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने संवर्धन और संरक्षण को एक दूसरे के पूरक के रूप में देखे जाने की सलाह दी। अपने संबोधन में श्री मुकेश जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि छात्र छात्राएं अध्ययन के बाद रोज़गार देने वाले बने ना कि मांगने वाले। उन्होंने प्रबंधन के छात्रों को सरकार द्वारा विकसित उद्यमी मित्र पोर्टल के विषय में जानकारी दी।

भारत रोज़गार डॉट कॉम के प्रबंध निदेशक अमन शुक्ला ने छात्रों को सेवा क्षेत्र की बारीकियों को समझने और कुछ नया करने सलाह दी। अपने संबोधन में सुश्री दीपशिखा सिंह ने कहा कि अभी अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बहुत नकारात्मक माहौल है। पर इस समय धैर्य से काम लेने की जरूरत है। धीरे धीरे स्थिति सामान्य अवश्य होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अनुशासन, ऑप्टिमाइजेशन, और भविष्योन्मुखता सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर नारायण सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान एम बी ए, बी बी ए के छात्र छात्राओं सहित डॉ रवि कुमार गुप्ता, डॉ भारती शुक्ला, डॉ कहकशां खान, डॉ उग्रसेन, डॉ बिजेंद्र एवम् डॉ विनय यादव आदि उपस्थित रहे।

<u>वेब व्याख्यान - (02)</u>

<u>वेब व्याख्यान - 01:</u>

<u>विषय: सेल्फ लीडरशिप</u>

उद्धेश्य: सेल्फ लीडरशिप के गुणों , चुनौतियों एवम विशेषताओ से प्रतिभागियों को अवगत कराना एवम उन्हें सेल्फ लीडरशिप के लिए प्रेरित करना।

दिनाँक : 18 मई 2020 अपराह्न 2:50 बजे से

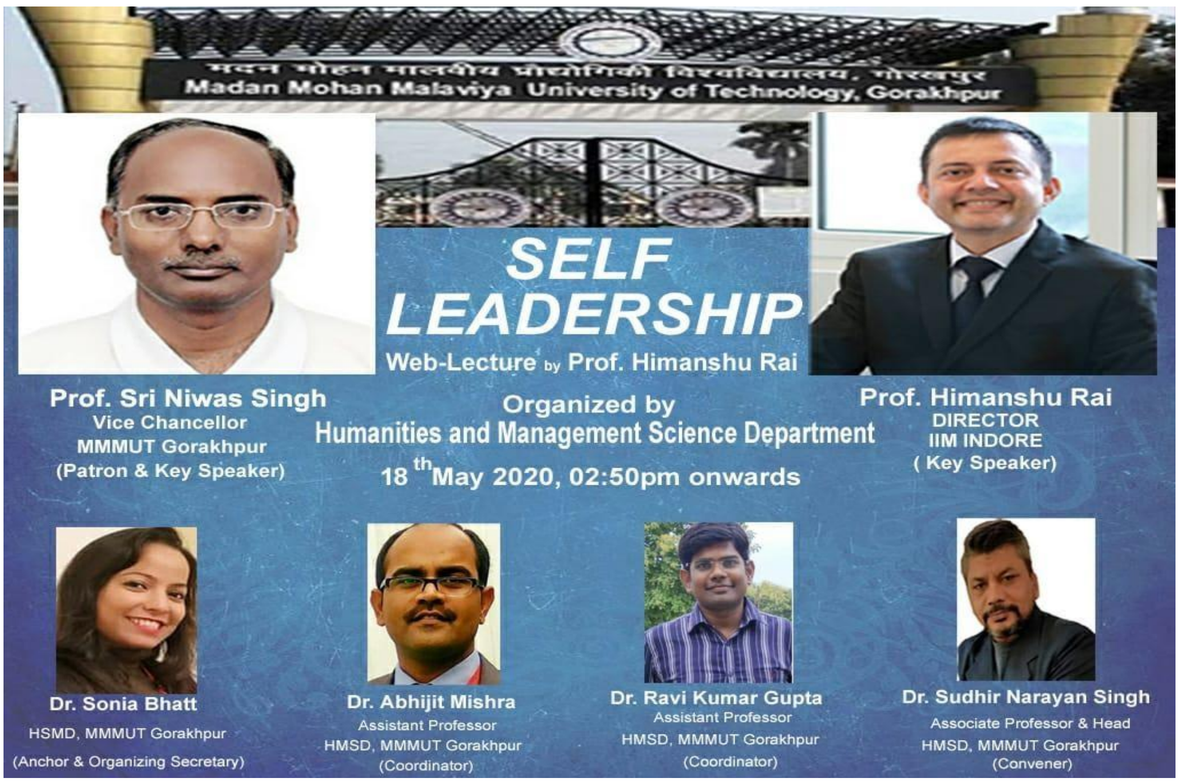

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान विभाग द्वारा आज एक वेब व्याख्यान का आयोजन सेल्फ लीडरशिप विषय पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारतीय प्रबंध संस्थान, इंदौर के निदेशक प्रो हिमांशु राय थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वि वि के कुलपति प्रो श्री निवास सिंह ने की। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ सोनिया भट्ट ने सभी का स्वागत किया। कुलपति प्रो श्री निवास ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भविष्य की दुनिया को अब प्रबंधक से ज़्यादा नेतृत्वकर्ताओं की ज़रूरत है। अब प्रबंध अध्ययन की दुनिया का ज़ोर इस बात पर होना चाहिए कि हम छात्रों के अंदर प्रबंध के साथ साथ नेतृत्व कौशल का भी विकास करें। एम एम एम यू टी के एम बी ए और बी बी ए छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ भी नया करने में बहुत सी बाधाएं आती हैं और जो इन बाधाओं को सफलतापूर्वक पार कर ले वही अच्छा नेतृत्वकर्ता होता है। उन्होंने गीता का उदाहरण

देते हुए छात्रों से कहा कि सफलता असफलता की चिंता किए बगैर अपने स्वप्नों और लक्ष्यों के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे छोटे छोटे लक्ष्य बनाएं, अगले दस दिनों की कार्ययोजना बनाएं और उसके अनुसार कार्य करें। इससे आपका जीवन व्यवस्थित रहेगा। अपने व्याख्यान में उन्होंने छात्रों को ' बी नो डू' (बनो जानो करो) सिद्धांत का पालन करने की सलाह दी। अर्थात आप को यह स्पष्ट होना चाहिए कि आप क्या बनना चाहते हैं (बी), आप अभी क्या हैं (नो) और आप जो बनना चाहते हों उसके लिए जो संभव हो करें।उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे दूसरों का जीवन ना जिएं, दूसरों की इच्छाओं, आकांक्षाओं, के अनुसार ना जिएं। सबकी सुनें लेकिन अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करें। नेतृत्व की चुनौतियों की चर्चा करते हुए उन्होंने छात्रों को बताया कि अच्छा नेतृत्वकर्ता बनने के लिए अपने आप को समझना और लगातार परिष्कृत करते रहना सबसे पहली शर्त है। अच्छे नेतृत्वकर्ता होने की दूसरी शर्त बताते हुए उन्होंने छात्रों को पेशेवर तौर पर सक्षम बनने को भी कहा, ये कहा कि आप जो काम करें उसमें माहिर हों, आपने जो कुछ पढ़ा समझा हो वह दूसरों को समझा भी सकें। अच्छे नेतृत्वकर्ता होने की तीसरी शर्त उन्होंने कही कि हमें जिम्मेदार बनने और जिम्मेदारी लेने आना चाहिए। अगर हम में आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने का भाव नहीं होगा तो हम कभी भी अच्छे नेतृत्वकर्ता नहीं बन पाएंगे।इसके अलावा अच्छे नेतृत्वकर्ता बनने के लिए उन्होंने छात्रों को सही समय पर सही, साहसिक और नैतिक निर्णय लेने, प्रत्येक काम में अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग करने की क्षमता विकसित करने को कहा। कार्यक्रम के अंत में मानविकी एवम् प्रबंध विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर नारायण सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ रवि कुमार गुप्ता, डॉ अभिजित मिश्र, डॉ उग्रसेन, डॉ विनय यादव आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

<u>वेब व्याख्यान - 02</u>

<u>विषय: “Recover, Respond & Thrive in the Era of New Normal"</u>

उद्देश्य: समस्त छात्र - छात्राओं एवं अध्यापकों को इस कोविद -19 जैसी वैश्विक महामारी में तकनीकी का उपयोग करते हुए शिक्षा को निरंतर प्रवाहित करने हेतु जागरूक करना।

दिनाँक : 25 मई 2020 समय:अपराह्न 3:00 बजे

मदन मोहन मालवीय प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकि एवम प्रबन्ध विज्ञान विभाग के द्वारा सोमवार 25 मई 2020 को दोपहर 3:00 बजे से " Recover, Respond & Thrive in the Era of New Normal" विषय पर वेब व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री निवास सिंह ने आज के तकनीकी जगत की अनेक विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि आज Covid 19 के इस कठिन समय में किस प्रकार तकनीकों का प्रयोग करते हुए उच्च शिक्षा को उसके लक्ष्य प्राप्ति में आगे बढ़ाया जा सकता है। इस आपदा को एक संकट के रूप में ना देखकर एक अवसर के रूप में लेना चाहिये और अपना सर्वोच्च प्रदान करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता इंद्रा

गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने covid 19 के पूर्व एवम इसके पश्चात की समस्याओं तथा गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए उचित समाधान प्रस्तुत किया।उन्होंने भारत सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 1909 से और आगे चलकर 1917 से ही किये गए विभिन्न नवाचारों पर प्रकाश डाला। यह नवाचार पिछले तीन वर्षों से भारत में लॉन्च किए गए थे जबकि covid 19 जैसी किसी आपदा की कोई संभावना नहीं थी। इसके अतिरिक्त उन्होंने इंद्रा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नोउ) द्वारा दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे विभिन्न प्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों का उनसे जुड़ने के लिए आह्वाहन किया। उन्होंने तात्कालिक परिस्थितियों में 'स्टे होम स्टे सेफ' के तहत कैसे छात्र 'स्टडी एट होम' कर सकते हैं इस पर प्रकाश डाला। प्रो नागेश्वर राव ने बताया की मानव संसाधन मंत्रालय ,भारत सरकार ने इन दिनों कई ऐसे पोर्टल शुरू किए हैं जहां से स्टूडेंट्स बड़ी आसानी से विभिन्न एकेडेमिक और प्रोफेशनल कोर्सेज ऑनलाइन फ्री ऑफ कॉस्ट कर सकते हैं।उन्होंने नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्निकल एनहांस्ड लर्निंग (एन पी टी ई एल), डिजिटल लाइब्रेरी, स्वयं, ई लर्निंग के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने श्रोताओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का समाधान भी प्रस्तुत किया। इस वेब व्याख्यान से छात्र तथा शिक्षक दोनों ही लाभान्वित हुए। इस वेब व्याख्यान का संयोजन आस्था पाठक तथा डॉ जावेद आलम ने किया। कार्यक्रम के संयोजन में डॉ रवि कुमार गुप्ता तथा डॉ अभिजीत मिश्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर नारायण सिंह ने अतिथियों एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार ज्ञापन किया।